हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 25 अगस्त 2025

11 दिल्ली कैंट आर्मी की रक्त वाहिनी टीम ने 204 यूनिट...

12 भादों में श्रावण जैसी झड़ी गर्मी व उमस की टूटी कड़ी

खबर संक्षेप

शिविर में 67 लोगों का बीपी और शुगर जांची

भिवानी। विश्व मानव रूहानी केन्द्र शाखा भिवानी द्वारा स्थानीय डाबर कालोनी में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 67 लोगों के बीपी, शुगर व अन्य बिमारियों के स्वास्थ्य की जांच की। शिविर में मनन्नत अस्पताल की निदेशक डा. सुनीता दुहन की टीम, डा. मोनू, डा. सुखवेन्द्र ने अपनी सेवाएं देकर लोगों को स्वस्थ रहने के उपाय सुझाए। रोहतास कुमार, रामकिशन, उल्फत सिंह, राजपाल, सुनीता, उर्मिला, अनीता व शारदा आदि ने संयुक्त रूप से बताया कि विश्व मानव रूहानी केन्द्र परोपकारी एवं अध्यात्मिक संस्था है जोकि संत बलजीत सिंह द्वारा बताए जा रहे रास्ते पर चल कर जनसेवा कर रही है।

मेला भादो षष्ठी पर पांच दिवसीय कार्यक्रम आज से

भिवानी। गोस्वामी लालदास महाराज की याद में 79वां निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में मेला भादो षष्ठी एवं श्रीकृष्ण लीला पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 25 अगस्त सोमवार से आरंभ होगा, जो 29 अगस्त शुक्रवार तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन कृष्णा कॉलोनी स्थिति गोस्वामी लालदास मेला स्थल पर किया जाएगा। कार्यक्रम में तपोभूमि परमहंस योगाश्रम धाम से स्वामी कृष्णानंद सरस्वती व हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत चरणदास महाराज का सानिध्य रहेगा।

सीवर के ढक्कनों में कमीशनखोरी का खेल, घटिया सामग्री से व्यवस्था फेल, परेशानी झेल रही जनता

ढक्कन टूटने पर मैनहॉल पर लकड़ी के गुटके पर रखा मिट्टी से भरा कट्टा, राहगीरों व वाहनों के लिए बना खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर में अनेक जगहों पर सीवरेज के मैनहॉल के ढक्कन टूटे हुए हैं, जो राहगीरों, वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा हैं। सीवरेज के मैनहॉल के क्षतिग्रस्त ढक्कनों की वजह से अक्सर वाहन चालक गंभीर रूप से घायल व वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, जो किसी दिन बड़े हादसे को भी अंजाम दे सकते हैं। शिव नगर कॉलोनी, हनुमान ढाणी, दिनोद गेट क्षेत्र, रोहतक गेट, बावड़ी गेट, दादरी गेट, हालुवास गेट सरकुलर रोड पर अनेक जगहों पर मैनहॉल के ढक्कन टूटे हुए हैं। वहीं श्रीकृष्ण प्रणामी आश्रम के सामने मात्र 100 मीटर के दायरे में मैनहॉल के चार ढक्कन टूटे हुए है, जो राहगीरों व वाहन चालकों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, जिन्हें देखने वाला कोई नहीं हैं, जिन पर क्षेत्रवासियों ने लकड़ी का गुटका रखकर उपर मिट्टी से कट्टा भरकर रख दिया हैं, जो आंशिक राहत देने का काम करेगा। अक्सर महीने दो महीने में मैनहॉल के ढक्कन या तो टूट जाते हैं या गायब हो जाते हैं, जो राहगीरों व वाहन चालकों के लिए खतरा हैं।

उल्लेखनीय हैं कि शहर में सीवरेज व्यवस्था पहले ही बेपटरी हैं और ऊपर से सीवरेज के मैनहॉल के ढक्कनों का बार-बार टूटना राहगीरों व वाहन चालकों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने जैसा हैं, जो ठेकेदार व अधिकारियों की कथित रुप से मोटी कमीशनखोरी और घटिया सामग्री के प्रयोग करने को दर्शाता हैं। अक्सर महीने या दो महीने में सीवरेज के मैनहॉल के ढक्कन का मैटेरियल धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होकर खत्म हो जाता हैं और वह मैनहॉल के अंदर डल जाता हैं। ऐसा क्यो हो रहा हैं, ये खेल अधिकारियों व ठेकेदार के बीच कथित रुप से मोटी कमीशनखोरी का नतीजा हैं, जो महज खानापूर्ति के लिए घटिया मैटेरियल का प्रयोग कर ढ़क्कन तैयार करते हैं और अपना कमीशन सेट करते हैं। श्रीकृष्ण प्रणामी के सामने सरकुलर रोड पर अक्सर मैनहॉल के ढक्कन टूटने या गायब होने की सूचना या देखने में आता हैं, इसके बावजूद कोई सुनने वाला नहीं हैं। मात्र 100 मीटर के दायरे में सीवरेज मैनहॉल के अनेक ढक्कन टूटे हुए हैं, जहां से निकलते समय राहगीर या वाहन चालक हादसे होने से बचने का प्रयास करते रहते है। अक्सर देखने में आता हैं कि मैनहॉल के क्षतिग्रस्त ढक्कन की वजह से राहगीर, वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं या वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। बरसात के दिनों में तो कई बार राहगीर ढक्कन न होने की वजह से सीवरेज के मैनहॉल में भी गिर जाते हैं। सरकुलर रोड पर मैनहॉल का ढक्कन टूटने पर क्षेत्र के लोगों ने लकड़ी के गुटके लगाकर उसके ऊपर मिट्टी से भरे कट्टे रख दिए हैं, लेकिन ये स्थायी समाधान नहीं, जो बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं।

गलत फीटिंग की वजह से बनती समस्या: घटिया एवं निम्न स्तर की सामग्री के प्रयोग करने से सीवरेज के मैनहॉल के ढक्कन बार-बार टूटते हैं। इसके अलावा गलत फीटिंग की वजह से ढक्कन चैंबर से मेल नहीं खाते, क्योंकि मैनहॉल का आकार का मेल सही नहीं बैठने से ढ़क्कन अव्यवस्थित ढंग से बाहर रह जाता हैं, जिसपर भारी वाहन चलते समय उसमें दरार आ जाती हैं और धीरे-धीरे टूट जाता हैं। वहीं घटिया सामग्री से तैयार किए गए ढक्कन ज्यादा वजन सहन नहीं कर पाते और थोड़े समय में ही टूट जाते हैं। कथित रुप से कमीशनखोरी व भ्रष्टाचार के चलते गुणवता से समझौता किया जाता हैं और घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर ठेकेदार फायदा उठाते हैं।

श्रीकृष्ण प्रणामी के सामने सरकुलर रोड पर 100 मीटर के दायरे में सीवरेज मैनहॉल के टूटे अनेक ढक्कन

ठेकेदारों पर हो कार्रवाई

प्रशासन ठेकेदार पर सख्ती बरते तो सीवरेज मैनहॉल के ढक्कन बार-बार टूटने की समस्या से निजात मिल सकती हैं। प्रशासन गुणवता सामग्री का प्रयोग करवाने के निर्देश जारी करें और कार्य का निरीक्षण एवं निगरानी रखे और गड़बड़ी की जांच कर दोषी ठेकेदारों पर कार्रवाई करें। ऐसा करने पर भविष्य में कोई भी ठेकेदार लापरवाही नहीं करेगा और जनता को होने वाली समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

भारी वाहनों की हो नो एंट्री

शहर के सरकुलर रोड पर भारी वाहनों की नो एंट्री होनी चाहिए, क्योंकि अक्सर भारी वाहनों की वजह से ही सड़क व सीवरेज के मैनहॉल के ढक्कन टूटते हैं। इसमें पुलिस प्रशासन को ओवरलोड वाहनों व भारी वाहनों पर शहर में प्रवेश करने पर सख्ती बरतनी चाहिए और उन्हें बाइपास से निकाला जाना चाहिए, जिससे ओवरलोड एवं भारी वाहनों से हादसे होने का भय भी न रहे और सड़क एवं मैनहॉल के ढक्कन भी न टूटे।

बाढड़ा। अभिषेक मील को नीट-पीजी परिक्षा पास करने पर बधाई देते हुए ।

नीट-पीजी क्वालिफाई कर काकडौली हट्टी के अभिषेक मील ने रचा इतिहास

- एमडी मेडिसिन कर ग्रामीणों को देंगे स्वास्थ्य सेवा
- रोहतक पीजीआई में दे रहे हैं चिकित्सक के तौर पर सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

उपमंडल के गांव काकडौली हट्टी के होनहार युवा अभिषेक मील, पुत्र प्रदीप मील ने अपने पहले ही प्रयास में नीट -पीजी जैसी कठिन एवं प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अभिषेक अब एम.डी. (मेडिसिन) में विशेषज्ञता हासिल करेंगे और भविष्य में ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं देने का संकल्प पूरा करेंगे। अभिषेक मील ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल कर न केवल अपने माता-पिता, बल्कि पूरे गांव, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। वर्तमान में भी वे रोहतक पीजीआई में चिकित्सक के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं। अभिषेक का कहना है कि मेरे गांव और आसपास के क्षेत्रों में अच्छे डॉक्टरों की कमी है। मेरा सपना है कि मैं अपनी विशेषज्ञता का उपयोग ग्रामीण जनता की सेवा में करूं। गांव में खुशी का माहौल अभिषेक की सफलता की खबर सुनते ही पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। घर-परिवार ही नहीं, पूरे क्षेत्र में जश्न का माहौल है। नौजवानों के लिए प्रेरणास्त्रोत ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर इस स्तर की उपलब्धी हासिल करने वाले अभिषेक ने साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम से हर मंजिल को पाया जा सकता है। उनकी यह सफलता उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं।

नगरपरिषद का कैटल फ्री का दावा फेल

शहर में घूम रहे बेसहारा पशु, नप की कंपनी के साथ साठ गांठः फौगाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

बेसहारा पशुओं के मामले में मुख्यमंत्री से लेकर उपायुक्त तक सभी के आदेश पूरी तरह से नाकाम हवाई नजर आ रहे हैं। हालात ये है कि नगर परिषद की कैटल फ्री शहर के दावा फेल नजर आ रहे हैं और बेसहारा पशु सड़क पर घूम रहे हैं, ये आरोप गौसेवक रिम्पी फौगाट व उनकी टीम ने लगाए हैं।

रिम्पी व उनके साथियों ने नगर के विभिन्न जगहों पर घायल पशुओं को उपचार दिया, जिन पर टैग लगे हुए है और सही मायनों में इनकी जगह सड़क पर नहीं बल्कि किसी गोशाला या सरकार द्वारा निर्धारित स्थानों पालन पोषण होना चाहिए। रिम्पी फौगाट ने कहा कि जिला चरखी दादरी में डीसी के आदेश पर कैटल फ्री बनाने की योजना खत्म होने से पहले ही पकड़े गए पशु रोड पर घूम रहे हैं। गौसेवक रिम्पी फौगाट ने कहा कि जो कंपनी अच्छी तरह पहले ही पूरा काम कर नहीं सकी, उसी को नगर परिषद ने दोबारा टेंडर जारी कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का काम किया हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर परिषद की कंपनी के साथ साठ गांठ है, पहले भी नगर परिषद ने काफी लावारिश पकड़े दिखाये थे, इसके बाद भी कई लोगों के साथ हादसा हुआ। आज फिर वही देखने को मिल रहा है नगर परिषद द्वारा पकड़े गए पशुओं में से एक दर्जन पशु रोड पर घूम रहे है।

भिवानी। बवानीखेड़ा निवासी राकेश को पैसे लौटाते रोडवेज कर्मचारी।

चालक परिचालक ने दस हजार रुपये लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

- बवानीखेड़ा निवासी राकेश हिसार में बस से उतरते वक्त सीट पर भूल गया था सामान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ईमानदारी आज भी जिंदा है। इसकी मिसाल रोडवेज विभाग के चालक व परिचालक ने नकदी से भरा थैला वापस लौटाकर दिया है। चालक व परिचालक की इस ईमानदारी की मिसाल के चहुंओर चर्चे जारी है। वाक्या शनिवार शाम के वक्त हिसार बस अड्डे पर भिवानी डिपो की बस का है। हुंआ यूं कि बवानीखेड़ा निवासी राकेश अपने बच्चों के साथ हिसार के लिए रोडवेज बस में शाम के समय करीब सवा चार बजे रवाना हुए। राकेश अपने परिवार के साथ हिसार बस अड्डे पर उतर लिया। इस दौरान वह अपना पैसों से भरा बैग बस में भूल गया।

बस रुकने के बाद चालक नवीन शर्मा व परिचालक आजाद ने बस की एक सीट पर कुछ सामान रखा देखा। उसने सामान उठाकर रोडवेज कर्मचारियों के व्हटसअप ग्रुप में डाल दिया। इसी दौरान बवानीखेड़ा निवासी राकेश ने अपने जानकार रोडवेज कर्मचारी मित्र राकेश के पास बस में सामान रहने की सूचना दी। रोडवेज कर्मचारी राकेश ने अपने रोडवेज कर्मचारियों के व्हटसअप ग्रुप में सामान बस में रहने की सूचना शेयर की तो सामान के बारे में जानकारी मिली। बस अड्डा इंचार्ज अजय शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह आपका सामान दे दिया जाएगा। आज सुबह राकेश बस अड्डा पर पहुंचा और बस अड्डे पर बस चालक नवीन शर्मा व परिचालक आजाद ने सामान की शिनाख्त पूछ कर बवानीखेड़ा निवासी राकेश को सौंप दिया। इस दौरान पुलिस के एसपीओ सुनील सांगवान, विनोद कुमार के अलावा अनेक रोडवेज व पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे।

हैदराबाद में होगी चैंपियनशन

मिनी नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए प्रदेश टीम का चयन, 20-20 खिलाड़ी चुने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा की मिनी नेशनल हैंडबॉल टीमों का चयन 17वीं मिनी नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए रविवार को किया।

चैंपियनशिप 26 से 29 सितंबर तक तेलंगाना राज्य के हैदराबाद में हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा करवाई जाएगी। कोच विवेक खरकिया ने बताया कि यह ट्रायल जींद के सरस्वती स्कूल दनोदा में आयोजित किए थे, जिसमें राज्य भर से लगभग 140 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ट्रायल में लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए 20-20 खिलाड़ियों को चुना गया है। ये खिलाड़ी अब एक प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेंगे, ताकि वे राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए पूरी तरह से तैयार हो सकें। खिलाड़ियों के चयन के लिए बनी समिति में सरस्वती स्कूल के संचालक राजेंद्र नैन, बिजेंदर दनोदा, सीमा चहल, जिला पार्षद राजेश मलिक, राजू लितानी, सुरेंद्र दनोदा, और प्रवीण दनोदा शामिल थे।

इन सदस्यों ने मिलकर हरियाणा की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन किया, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

सत्संग में प्रत्यक्ष बरसती है परमात्मा की मौज : कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

परमात्मा की मौज सत्संग में प्रत्यक्ष बरसती है क्योंकि सत्संग परमात्मा का ही संग है। सत्संग सद्विचारों की पुनरावृति है क्योंकि बार बार की चेतावनी ही हमें हमारे असल मकसद की और ले जाने में मदद करती है। जगत की झूठ को त्याग कर जो रमा हुआ है उसके संग लगो क्योंकि यदि लाभ मिलेगा तो परमात्मा के भजन में रमें हुए संत महात्मा की संगत से ही मिलेगा। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने कोसली के धरौली रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर कंवर साहेब ने बड़ी हाजरी में उमड़ी साध संगत को सत्संग फरमाते हुए कहा कि हर कोई मैं और मेरा के झगड़े में उलझा हुआ है। अगर मैं मेरा की जगह हम ये मान लें सब कुछ तू और तेरा है तो सारा झगड़ा ही मिट जाए। भक्ति होगी तो भेखी से नहीं बल्कि नेकी से होगी।

उन्होंने कहा कि संतो की संगत हमें प्रेम सिखाती है और प्रेम ही प्रभु प्राप्ति का आधार है। प्रेम और मोह में बहुत फर्क है। मोह जगत के नातों से होता है और प्रेम केवल परमात्मा के साथ होता है। मोह एक समय में कई के साथ हो सकता है परंतु प्रेम की गली तो अति सांकरी है जिसमें दो आ ही नहीं सकते। हुजूर महाराज ने संत नित्यानंद को स्मरण करते हुए कहा कि वे मस्ती के संत थे। वे भूख प्यास को हरा चुके थे। उन्होंने पूरी जिंदगी प्रेम की बानी ही बोली। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हम अपने भीतर सद्गुणों को भर सकते हैं। उन्होंने गुरु भक्ति पर बहुत बल दिया। गुरु महाराज ने कहा कि नाम रस के आगे सारे रस फीके हैं। नाम की मस्ती में मस्त रहने वालो को ना मोह रहता है ना स्वार्थ। जिसको नाम का सहारा मिल गया उनको सबकुछ मिल गया। संत हुजूर ने कहा कि दुनियादारी की ठगी में झूठ में कपट में शांति नहीं है।

मन के साधने से सध जाता है पूरा जीवन

हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि परमात्मा गुरु और माता पिता कभी अपनी संतान का बुरा नहीं चाहते बस वो उसका जीवन संवारने के लिए उसे बार कटु और मीठे वचनों से चेताता रहता है। परमसंत हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि मन किसी के काबू में नहीं आता हां हम मन को साध सकते हैं। मन के साधने से पूरा जीवन सध जाता है। मन को साधने के लिए चालाकी नहीं चलती बल्कि समर्पण चलता है। संत सतगुरु बार बार चेताते हैं कि कोई हमारा सगा नहीं है। ना जाने कितने आए और चले गए। हम भी एक दिन जायेंगे। इसलिए समय व्यर्थ मत गंवाओ। सतगुरु की शरण लो,उनके वचनों को मानो और अपने जीवन को सफल बनाओ।

आशा भर्ती को लेकर उठे सवाल, बार बार प्रक्रिया से आवेदक हुए परेशान

भिवानी। जिले में आशा भर्ती प्रक्रिया सवालों के घेरे में है, क्योंकि उम्मीदवारों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मनमाने ढंग से काम कर रहे हैं। वर्ष 2022 व 2023 में इंटरव्यू दे चुके सैंकड़ों आवेदक अब भी परिणाम का इंतजार कर रहे थे, लेकिन उन्हें तीसरी बार नए सिरे से आवेदन करने और इंटरव्यू देने को कहा गया है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश ने बताया कि वर्ष 2022 में लिए इंटरव्यू का परिणाम घोषित नहीं किया, जिसके बाद 2023 में दोबारा इंटरव्यू आयोजित किए। अब 2025 में फिर से नए सिरे से आवेदन मांगे जा रहे हैं। आवेदकों का आरोप है कि उन्हें किसी भी उचित माध्यम से सूचित नहीं किया गया कि पिछली भर्ती रद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि आवेदकों को कोई आधिकारिक लिखित आदेश नहीं दिया कि 2022 और 2023 के इंटरव्यू रद हो गए हैं। बार-बार इंटरव्यू आयोजित करने का मकसद कुछ चुनिंदा लोगों को भर्ती करना हो सकता है, जो असंवैधानिक और भर्ती नियमों का उल्लंघन है।

- दो बार इंटरव्यू रद कर तीसरी बार इंटरव्यू लेना असंवैधानिक: राजेश

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

सांग पुरोधाओं में शुमार रहे निहालचंद 'निहाल'

भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से निहालचंद 'निहाल' का काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय रहा है।

कला-संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

साहित्य समाज का दर्पण होता है और लोक-साहित्य लोकजीवन का दर्पण होता है। लोकजीवन में जो कुछ घटित होता है उसका पूरा ब्यौरा लोक-साहित्य में समाहित रहता है। लोक-साहित्य की अनेक विधाएं हैं, जैसे लोकगीत, लोककथाएं, लोकगाथाएं एवं लोकनाट्य आदि। पर लोकनाट्य अर्थात सांग सभी कलाओं का समुच्चय है।

इसमें गीत, संगीत, कथा, नृत्य आदि सब कुछ समाहित रहता है इसलिए लोकजीवन में सबसे ज्यादा प्रभाव लोकनाट्य का पड़ता है। हरियाणा का सांग साहित्य कभी से बड़ा प्रसिद्ध रहा है। यहां पर अनेक महान सांगी हुए हैं, जिन्होंने इस कला को पोषित करने में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इन्हीं में से एक थे सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल'। निहालचंद 'निहाल' की गणना अपने समय के महान सांगियों में होती है। इनका जन्म 21 अक्टूबर, 1887 को गांव नांगल ठाकरान में एक गौड़ ब्राह्मण किसान परिवार में हुआ। सांग के क्षेत्र में इनका ऐतिहासिक बहुमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। इन्होंने हरिश्चंद्र, राजा उत्तानपाद, नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, भगत पूर्णमल, चाप सिंह, रामलीला, कृष्णलीला, महाभारत, राजाभोज-शरणदे, सरवर-नीर, चंदकिरण, ज्यानी चोर, जमाल-गबरू, गोपीचंद तथा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आदि सांगों तथा अनेक मुक्तक भजनों की रचना की।

काव्य के भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से इनका काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय है। हरियाणा समेत समस्त उत्तर भारत में इनके सांग होते थे। उस समय इनके सांगों की हर जगह धूम मची हुई थी और बाल व वृद्ध सभी बड़े चाव से इनके सांगों को देखते थे।

निहालचंद 'निहाल' ने अपनी खुली आंखों से लोकजीवन को देखा, जीया, जांचा और परखा तथा अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने अपने सांगों में लोक संस्कृति का प्रभावात्मक चित्रण किया जिसकी चहुंदिशा में प्रशंसा हुई। यही नहीं हरियाणा के सूर्यकवि पं. लखमीचंद जैसे लोकनाट्य कला के महारथी ने भी उनके पास रहकर सांगकला की बारीकियों को सीखा। इसका उल्लेख हिंदू विश्वकोश कोलंबिया (यू.एस.ए) में हुआ है। ऐसे महान कलाकार के लोक साहित्य के लिए किए गए योगदान को यहां प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

निहालचंद 'निहाल' का समय स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए बड़े संघर्ष का समय था। सभी भारतीय अपने-अपने तरीके से स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु प्रयास कर रहे थे। निहालचंद 'निहाल' भी अपने सांगों के माध्यम से अनेक अमर बलिदानियों के उदाहरण देकर लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए और स्वदेशी सामान का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। उन्होंने देशभक्ति की काफी

रचनाएं की और देश की आन, बान और शान पर मिटने वाले 'महाराणा प्रताप' का देशभक्ति प्रेरक सांग बनाया और अभिनीत किया। अपने भजनों में अंग्रेजों की खिलाफत की, जिसके कारण इन्हें, उनके क्रोध का भाजन भी बनना पड़ा। कई बार ऐसा न करने की चेतावनी मिली। उसके बाद गिरफ्तार भी कर लिए गए। इनकी देशभक्ति की रागनियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी गई। दर्शनीय है इनकी यह रचना-

भाइयो हो ज्याओ सब त्यार,
देश माँगता कुर्बानी ।।
सिर पै कफन बांध ल्यो सारे।
इंकलाब के लाओ नारे।
गोर्यां नै घणे जुल्म गुजारे।
मारे बहोत घणे नर-नार,
होगे अमर बलिदानी ॥

निहालचंद 'निहाल' के सांगों में न्यूनाधिक मात्रा में सभी दर्शनों का उल्लेख हुआ है। साक्ष्यार्थ उनकी एक रचना प्रस्तुत है; जिसमें सत, रज, तम की त्रिगुणी माया, पंच भूत, दस इंद्रियों, पच्चीस प्रकृति आदि का वर्णन है-

उस निराकार परब्रह्म की छाया मिल गई।
पाँच तत्त्व जिनमैं त्रिगुणी माया मिल गई।
शहंशाह बण्या तू रय्यत राया मिल गई।
राजधानी सुन्दर नगरी काया मिल गई।
हाड माँस मज्जा रक्त और चाम-चाम-चाम ।।
मानज्या भजै नै मन राम - राम - राम ।।

मनुस्मृति में वर्णाश्रम व्यवस्था का पूर्ण उल्लेख

दादी सती मंदिर और दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

हुआ है। निहालचंद 'निहाल' ने अपने एक भजन के माध्यम से हमारी प्राचीन सामाजिक व्यवस्था को इस प्रकार प्रस्तुत किया है-

ब्राह्मण के छः कर्म वेद का पढ़णा और पढ़ाणा था।
वेदशास्त्र मनु - स्मृति गीता ज्ञान सुणाणा था।
दान का देणा खुद भी लेणा यज्ञ करणा, करवाणा था।
थी ब्रह्म की पहचान शील संतोष दयालु बाणा था।

पतिव्रत-धर्म नारी की उत्कृष्टता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान है। निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति के इस जाज्वल्यमान पक्ष को पतिव्रता द्रौपदी के माध्यम से उजागर किया है-

सुणै कथा भागवत ग्रहस्थ धर्म सीखै और हमें सिखावै।
आशा, तृष्णा, दुबधा, दुर्मति की नहीं तरफ लखावै।
नित अमृत भर्या रहै जिव्हा मैं चाखै और चखावै।
रवि, मंगल, पून्नम, एकादशी का राखै व्रत रखावै।
गऊ ब्राहाण साधू नै जिमा अँजल करै ब्रतीबासी ।।

हमारे लोकजीवन में आचरणीय और माचरणीय बातों की एक लम्बी शृंखला है। सज्जन लोग सदाचार की राह पर चलते हैं और दुष्ट सदा इसके विपरीत। अतः हमारी रीतिनीति को निहालचंद 'निहाल' ने इस प्रकार विवेचित किया है-

बेमतलब बेकाम जीत और हार नहीं करणी चाहिए।
सुण कायदे से बाहर नार की सार नहीं करणी चाहिए।
धाय वैद्य रसोइया मित्र से तकरार नहीं करणी चाहिए।
दस पाँच आदमी मना करैं वा कार नहीं करणी चाहिए।

भारतीय संस्कृति में मानवीय मूल्यों का बड़ा महत्त्व है। इसी सिद्धांत को अपनाते हुए निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति में अनुस्यूत नैतिक मूल्यों की स्थापना की है। प्रमाण स्वरूप उनकी यह रागनी देखिए-

धीरज धर समय पड़ी मैं रै ।।
कड़वा बोलै विष घुलज्या।
आगै भली बुरी सब खुलज्या।
तुलज्या सत्त धर्म धड़ी मैं रै ।।

एक माँ के हृदय में अपनी संतान के प्रति अगाध वात्सल्य होता है। उसकी झलक निहालचंद 'निहाल' की इस रागनी में मिलती है। इसलिए बेटे के मरने का दुख व उस असहनीय स्थिति को उन्होंने निम्नलिखित रचना में इस प्रकार दर्शाया-

बेटा तेरे बिन रोहतास, रही ना तेरी माँ किसे दीन की, मरूँ कित टक्कर मारकै ।।

निहालचंद 'निहाल' के काव्य का भाव-पक्ष तो सबल था ही, उनका अभिव्यक्ति पक्ष एवं काव्य-सौंदर्य पक्ष भी दर्शनीय था। महारानी सुदेष्णा, सैरन्ध्री (द्रौपदी) के सौंदर्य की समता कभी ब्रह्माणी (सरस्वती), इन्द्राणी, लक्ष्मी, पार्वती और अग्नि की पत्नी स्वाहा से करती है, तो कभी उसे देवलोक की अप्सरा बताती है और उसके आंगिक सौन्दर्य को इस प्रकार उद्घाटित करती है-

तेरा नाक सुआ-सा मुँह बटवा-सा सुर्ख लबों पै लाली।
मिजगां के तीर अबरू कमान, दो जुल्फ नाग-सी काली।
तेरी तिरछी नजर प्रेम की चितवन, वार नहीं जा खाली।
कहै निहालचंद उस बेमाता नै तू घड़ी बैठ कै ठाली।
सुण कोयलबैनी मृगनैनी, तेरै घली कुदरती स्याही ।।
इस दुनिया मैं इतनी सुथरी कोन्या और लुगाई ।।

कीचक और सैरन्ध्री के संवादों में तो संयोग-शृंगार मानो जीवन्त ही हो उठा है। कीचक का सैरन्ध्री को रति-रण के लिए आमंत्रण में तो मानो शृंगार रस का सोता ही फूट पड़ा है। देखिए-

वो बाजीगर खेल रचावै, काम रति का मेळ मिलावै,
सैरन्ध्री म्हारै कद-कद आवै, दुख-सुख बुझूँ दारू पिलाकै।
सुकड़ रही सर्दी की मारी, काया खुलज्यागी गर्माकै ।।
बिछ रहे पिलंग निवारी सोइये, उठकै मुख साबुण से धोइये,
बाळ-बाळ मैं मोती पिरोइये, गूँथ लिए सिर चोटी न्हाकै।
लाइये तेल फुलेल शरीर मखमल सा हो ज्यागा नरमा कै ।।

करुण रस के छिटपुट प्रसंग तो इनके सभी सांगों में समाहित हैं, किन्तु महाभारत एवं विराट पर्व में इस रस का मार्काखेज वर्णन है। कीचक वध के उपरांत उसके भाई द्रौपदी को कीचक की अर्थी के साथ जीवित ही कीचक की चिता में झोंक देने की ठान लेते हैं। ऐसी हृदय विदारक स्थिति में असहाय द्रौपदी भगवान को टेरने के अतिरिक्त और कर भी क्या सकती है। निहालचंद 'निहाल' की अग्रदत्त रागनी में मानो करुण रस साकार हो उठा है-

बड़ी जोर से दान्ने चले, शमशान भूमि आ गई।
सती रुदन कर हारी बिचारी, फूल ज्यूँ कुम्हला गई ।।
बुलबुल फंसी है जाल मैं, नहीं बस चलै अब क्या करूँ।
रस्ता बता परमात्मा, मेरी आत्मा दुख पा गई ।।
कहैं निहालचन्द करता तू ही, मारै तू ही मरता तू ही।
अद्भुत प्रभु लीला तेरी, बुद्धि मेरी चकरा गई ।।

जीवन के अंतिम पड़ाव पर ये लोककल्याण एवं भक्तिभावना में लीन हो गए। इन्होंने जगह-जगह पीपल एवं बरगद के पेड़ लगाए तथा प्रतिदिन लोगों को गीता, महाभारत रामायण एवं पौराणिक कथाएं सुनाने लगे। सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल' 24 फरवरी 1995 को अपने परिवार को भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश सुनाते-सुनाते ब्रह्मलीन हो गए।

उनके कर-कमलों से दादी सती मंदिर व दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सांग की जिस ज्योति को निहालचंद 'निहाल' से पूर्व सांगियों ने प्रज्ज्वलित किया था, निहालचंद 'निहाल' ने उसमें अपनी साहित्य एवं काव्य साधना का घृत डालकर उस ज्योति को प्रकाशमान रखने का पूर्ण एवं सफल प्रयास किया है।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

कुत्यां की पंचायत

झबरू बोल्या माणस जात नै, कर दिये घाव कसूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग होण तैं पहल्यां थमनै, बात ज्ञान की कह ज्यांगे,
हम तो दूर चले जांगे, पर कुत्ते फेर भी रह ज्यांगे।
ईश्वर थारा भला करैगा, बसो-घसो सुख मौज तैं,
म्हारै साथ किसी ए बण लियो, सारी हँस के सह ल्यांगे।
जै म्हारी कोए गलती हो तो, बेशक मारो जूते।
करण फ़ैसला बैठ गए मिल कै, दिल्ली के कुत्ते।

न्यारी करल्यो फैमिली आई.डी, न्यारे राशन कार्ड हों,
अलग हो सीमा, अलग बसासत, अलग गांव और वार्ड हों।
सारी सुविधा वो ल्यांगे, जो माणस जात नै मिलरी सैं,
जो म्हारे नेता और मंत्री, उनके भी बॉडी गार्ड हों।
इबी भी ना जागांगे तो, रह जावांगे सुत्ते।
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग करो हदबस्त हमारी, खेवट तक भी न्यारी हों,
हम भी करल्यां पेट गुजारा, बोवण नै कुछ क्यारी हों।
माणस, छाणस नहीं काम के, इनकी पैड़ चालियो ना,
अपनी पंचायत के अंदर, सारी बात ब्यौहारी हों।
भोत रह लिए इनकै भरोसै, इब अपणै बलबूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जंग की उमंग

आज अचानक त्यारी करली मां के जाये बीर तनै
छुट्टी छौड़ अधूरी बहना जाणा सै कश्मीर मनै

छुट्टी छौड़ अधूरी भाई आज क्यूकर होग्या जाणा
सीओ साहब की चिट्ठी आई चाहिए फर्ज निभाणा
इस चिट्ठी में के लिख राख्या चाहिए भेद बताणा
कारगिल में दुश्मन आके करण लगा धिंगताणा
देश की रक्षा करणी सै या लिखा ल ई तकदीर तनै
देश के उपर अर्पित करणी तन मन की जागीर मनै

देश की रक्षा करणी चाहिए बता कौण तनै नाटै सै
ताक़त शस्त्र दुश्मन आगै बिरला ऐ दिल डाटै सै
कायर और निडर नै भाई या रणभूमि छाटै सै
हे रण मैं चढज्या खून उबलते जब बेरा पाटै सै
दुनिया म्हा तै दुश्मन का ठाणा सांझा शीर तनै
तेरे बोला का मेरी छाती मैं गाड़ लिया तीर मनै

मां का दूध लजाइये मतना जब तनै जाणु मैं
कायर भाजै पिठ दिखाकै रण में छाती ताणु मैं
मेरे मन की चाही पुरी करदे याहे बात बखाणु मैं
गेरु गोले ओले सोले हे बणज्यागा परमाणु मैं
या सारी दुनिया जाणै सै भारत के रणधीर तनै
सदा तिरंगा सजा रहे या लौह की समझ लकीर मनै

केसर क्यारी कश्मीर हमारी दुश्मन के चाहवै सै
वो धोखा देकै आ बैठा के धोखे तै थावै सै
जल्दी करकै जा भाई क्यू सहम वार लावैसै
यो महेंद्र सिंह बिलोटे आला सिर बिस्तर ठावै सै
जाते जाते अपने हाथा देऊ पिला नीर तनै
जीत लड़ाई तेरे हाथा का खाणा हलवा खीर मनै

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

1857 का संग्राम

अंग्रेजों ने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए की थी रवाना

रोहतक के किले में लगाया था रांघड़ों ने मोर्चा

इतिहास | यशपाल गुलिया

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मई 1857 में आरम्भ हुआ था, तब स्वतंत्रता सेनानियों ने दिल्ली को अंग्रेजों से मुक्त करवा लिया था, जो केवल चार मास तक ही कायम रहा। अंग्रेजों ने दिल्ली पर फिर से अधिकार करने के लिए पंजाब के देशी शासकों से सैन्य सहायता प्राप्त की तथा दिल्ली के बाहर बाड़ा हिन्दुराव के स्थान पर पड़ाव लगा लिया था।

दरअसल, दिल्ली की चारदीवारी के अन्दर सेनानियों का कब्जा था जिन्होंने उस अंग्रेज सेना से बाहर निकलकर अनेक बार युद्ध किए थे। उस अंग्रेज सेना को पीछे से आक्रमण का भय बना रहता था, जिसके लिए उन्होंने नजफगढ, खरखौदा तथा रोहतक तक सेनानियों से युद्ध करने पड़े थे। तब तक रोहतक का किला भी बेहतर अवस्था में था। उसी किले में आस-पास के रांघड़ों ने मोर्चा लगा लिया था। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजों की प्रथम पंजाब कवैलरी केवल रोहतक के आसपास रांघड़ों द्वारा गठित थी। यह 1857 में मऊ में तैनात थी तथा वे सभी बगावत करके अपने हथियारों सहित रोहतक व खरखौदा आदि क्षेत्रों में संगठित हो गए थे। खरखौदा में विसारत में अली नामक रांघड़ तथा रोहतक में बबर खां नामक व्यक्ति ने युद्ध सामग्री के साथ-साथ नेतृत्व का निर्णय ले लिया। दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को जब रांघड़ों की तैयारियों का पता लगा तो उन्होंने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक के लिए भेज दी। उस सेना में केवल अधिकारी अंग्रेज थे, जैसे मैकडोवल, लेफ्टिनेंट वाईज, कैप्टन वार्ड व लेफ्टिनेंट हफ गफ आदि। जबकि सैनिक भारतीय देशी शासकों द्वारा भेजे हुए थे।

इस प्रकार आदेशानुसार हड़सन ने दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए प्रस्थान किया। लेकिन 15 अगस्त को अंग्रेज सेना का

रोहतक के किले का वासतविक चित्र जोकि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

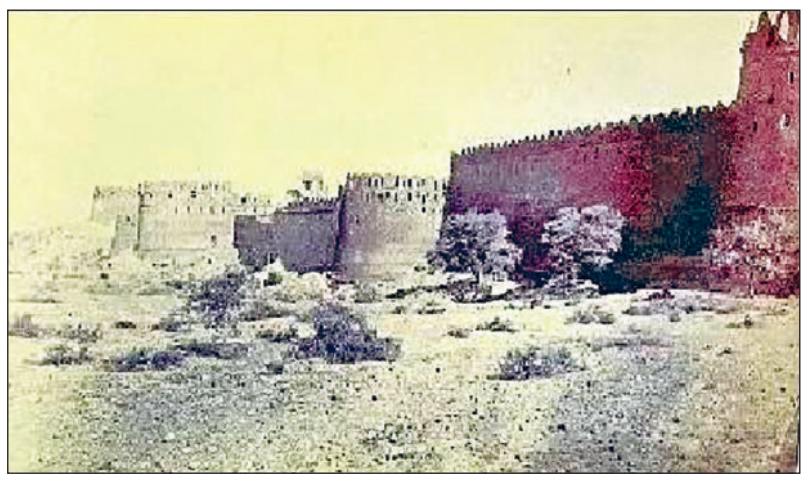

प्रस्थान खरखौदा में ही हो गया। विसारत अली के नेतृत्व में आस-पास के हसनगढ़ आदि के रांघडों ने हड़सन की सेना पर भीषण प्रहार किए लेकिन हथियार आदि के अभाव में खरखौदा के युद्ध में सेनानियों की पराजय हुई और अंग्रेज सेना 16 अगस्त को रोहतक को कुच कर गई। वहां जाकर हड़सन की सेना ने पुरानी कचहरी वाले स्थान पर पड़ाव लगा लिया। जबकि बबर खां के नेतृत्व में इकट्ठे हुए रांघड़ व पठानों ने किले में मोर्चा लगा रखा था। इनमें बागी सैनिकों के अतिरिक्त सिविलियन भी शामिल थे। एक अंग्रेज लेखक के अनुसार रोहतक में 300 घुड़सवार तथा 700 बन्दूकधारी इकट्ठे हो गए थे। अंग्रेज कमान्डर हड़सन ने सेनानियों की तैयारी देखकर 18 अगस्त को पीछे हटने का दम्भ भर दिया। इसके बाद किले से बाहर निकलकर सेनानियों ने अंग्रेज सेना पर आक्रमण कर दिया। लेकिन छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें

छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका।

सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका। अंग्रेज सेना जसीया गांव की तरफ से सोनीपत की ओर कूच कर गई। यहां उल्लेखनीय है कि झज्जर व दुजाना के नवाबों ने तब कोई भूमिका अदा नहीं की और ना ही रांघडों व पठानों की किसी अन्य समुदाय ने सहायता की थी।

आश्चर्य की बात ये है कि 1857 के ऐसे भीषण युद्धों का पाठय पुस्तकों में भी वर्णन नहीं किया गया। जबकि खरखौदा के युद्ध में तो चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस पदक भी मिला था।

संस्कृति को जीवंत करने का माध्यम है हास्य कला : आजाद दूहन

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए लोक कलाकारों ने अपनी अलग-अलग विधाओं में समाज को भी नई दिशा दी है। ऐसे ही कलाकारों में हास्य कलाकार आजाद दूहन हरियाणवी संस्कृति का संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। हरियाणवी चुटकुला सम्राट के रूप में अपनी पहचान बना चुके रेडियो कलाकार आजाद सिंह दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर करते हुए कहा कि किसी भी विधा में कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता तथा परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश देना संभव है।

लोक कलाकार आजाद सिंह दूहन का जन्म 2 अक्टूबर 1972 को हिसार जिले के गांव बनभौरी में एक किसान परिवार में श्रीचंद और रोशनी देवी के घर में हुआ। ग्रामीण पृष्ठभूमि में गांव में पले-बढ़े आजाद के परिवार में उनके दादा खेती करते थे और पिताजी श्रीचन्द्र मुख्य अध्यापक से सेवानिवृत्त हुए, जो अब परिवार में खेती बाड़ी करते आ रहे है। भले ही उनके परिवार में कोई साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा जी बचपन में उन्हें कहानियां सुनाते थे और उनसे भी कविताएं सुनते थे। घर में उनकी माता एक कुशल गृहणी रही हैं। इसलिए उनकी बचपन से ही संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति अभिरुचि रही है। बकौल आजाद सिंह, उनकी प्राइमरी शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से हुई। जबकि

इंटरमीडिएट बरवाला के स्कूल और एमएसएसी(भूगोल) में राजकीय कालेज हिसार से उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने जाट कालेज से बीएड की डिग्री हासिल की। बीएड के आधार पर आजाद एक शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए और फिलहाल वे पनिहारी के प्राइमरी स्कूल में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। उनकी कला का यह सफर 1988 से शुरू हुआ, लेकिन 1990 में यह सफर राजकीय महाविद्यालय हिसार में उड़ान भरता नजर आने लगा, जहां उनके गुरु प्रो. प्रोफेसर गुगनराम गोदारा ने उन्हें हास्य कला के लिए बेहद प्रोत्साहित किया है और उनके मार्गदर्शन एवं सानिध्य में ही 'हरियाणवी नाटक, मंच संचालन, हरियाणवी हास्य में विशेषकर चुटकलों में भाग लिया। उनका कहना है कि शुरुआती दौर में उन्होंने परिवार को बिना बताये डरते-डरते लोक कला क्षेत्र कदम रखा, लेकिन धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। 1993 में वह बिना बताए घर से नैनीताल कैंप में भाग लेने के लिए गये। उन्होंने फिल्म ऐपरिशियेशन वर्कशाप में भाग लेकर अभिनय की बारीकियां सीखी और इसी साल राष्ट्रीय यूथ लिडरसीप कैम्प नैनीताल में सर्वश्रेष्ठ कैम्पर का पुरुस्कार हासिल किया। हालांकि इससे पहले उन्होंने साल 1988 में दसवीं कक्षा के दौरान विद्यालय स्तर पर राजकीय उच्च विद्यालय बरवाला में पहली बार मंच से कविता सुनाई थी। उसके बाद युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लिए लिया और यह युवा संसंद पूरे राज्य में प्रथम आई, जिसमें उन्होंने लोकसभा महासचिव के किरदार की भूमिका निभाई। आज वह एक रेडियो कलाकार के रूप में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयो के सांस्कृतिक निर्णायक मंडल में भी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मंचों पर उनकी हास्य व्यंग्य प्रस्तुति का मूल उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार एवं हरियाणवी संस्कृति एवं प्रकृति को बढ़ाना है। हरियाणवी हास्य नाटिका के मंच से लगातार पांच वर्ष तक हरियाणा दिवस पर चुटकुले सुनाने में प्रथम रहा। इस उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा साल 1995 में उन्हें चुटकुला सम्राट के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने सातवें राष्ट्रीय युवा उत्सव का भी संचालन किया। यही नहीं, उन्होंने लगातार पांच साल तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में राज्य स्तरीय चुटकुला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर आजाद सिंह दूहन का कहना है कि इस इंटरनेट के युग में अभिनय, कला एवं संस्कृति संगीत बदलाव के दौर में है। वह संस्कृति एवं संगीत में अच्छे बदलाव के समर्थक हैं।

सम्मान और पुरस्कार

हरियाणा सरकार से चुटकुला सम्राट पुरस्कार और हरियाणा गौरव पुरस्कार से अलंकृत आजाद सिंह दूहन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में रत्नावली हरियाणवी संस्कृति पुरस्कार भी मिल चुका है। वहीं कुरुक्षेत्र विविद्यालय में दूहन को सर्वश्रेष्ठ एक्टर के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड भी दिया जा चुका है। हरियाणवी संस्कृति उपलब्धियां के आधार पर राज्य संस्कृति पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड से भी उन्हें नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

भिवानी। प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भिवानी पब्लिक स्कूल के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिवानी। भिवानी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्री राम सेवा सामाजिक समिति द्वारा आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में कक्षा छठी से बारहवीं की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी नृत्यकला का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए अपना तृतीय स्थान सुरक्षित किया। भिवानी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने नृत्य के माध्यम से जन्माष्टमी के पावन अवसर को जीवंत बनाया। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और निर्णायक मंडल की प्रशंसा प्राप्त की। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। निर्देशिका आशा पाहुजा ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद है।

भिवानी। मेडिकल कैम्प में जांच करते हुए।

अजीतपुर में चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिवानी। रविवार को गांव अजीतपुर में युवाओ द्वारा एक चिकित्सा शिविर का आयोजन करवाया गया। जिसमें महादेव क्लिनिक भिवानी की चिकित्सा टीम जर्नल फिजिशियन डॉ दीक्षांत ने गांव वासियों के स्वास्थ्य की जांच की तथा दवाइयां भी फ्री में उपलब्ध करवाई। इस शिविर में लोगों में ब्लड प्रेशर, शुगर, पैरों में डील की बीमारी व उनके रोकथाम और बचाव के तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी दी। शिविर के दौरान 50 से अधिक ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करवाई ओर अवसर का लाभ उठाया। इस मौके पर डॉ भारत भूषण , ऋतिक शर्मा,वरुण,शेखर तथा गांव से गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे ।

चेयरमैन के चुनाव में 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग

भिवानी। राष्ट्रवादी परिवर्तन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लीलाराम प्रजापति ने प्रदेश की नायब सैनी सरकार से पिछड़ा वर्ग से संबंधित कई अहम मांगें उठाईं। उन्होंने जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उतनी उसकी हो भागीदारी के नारे को दोहराते हुए कहा कि लंबे समय से सरकारों की अनदेखी के कारण पिछड़ा वर्ग अपने जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक व सामाजिक अधिकारों से वंचित रहा है। प्रजापति ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से जल्द से जल्द जातीय जगणना करवाने, सरपंच व चेयरमैन के चुनाव में 27 प्रतिशत आरक्षण पिछड़ा वर्ग को दिए जाने की मांग की। प्रजापति ने कहा कि सटीक जातीय जनगणना के अभाव में पिछड़ा वर्ग की वास्तविक संख्या का अनुमान लगाना मुश्किल है।

भाजपा संगठन में महिलाओं को मिलता है पूरा मान-सम्मान : कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। भाजपा की जिला महामंत्री रेखा राघव का सम्मान समारोह हुआ आयोजित। फोटो :हरिभूमि

भिवानी। नवनियुक्त महामंत्री को सम्मानित करते हुए।

भाजपा की नवनियुक्त जिला महामंत्री रेखा राघव का सम्मान समारोह रविवार को रोहतक गेट स्थित राजपूत धर्मशाला में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और नेताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। जिन्होंने रेखा राघव को फूलों का गुलदस्ता और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यकर्ताओं ने तालियों की गडग़ड़ाहट से अपने नए जिला महामंत्री का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक उपस्थित रहे, जिन्होंने रेखा राघव को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उनका स्वागत किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने पार्टी में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उन्हें दिए जा रहे सम्मान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में महिलाओं को पूरा सम्मान मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण एजेंडा रहा है, और यह हमारी पार्टी के हर स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने रेखा राघव की नियुक्ति को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और विश्वास व्यक्त किया कि वह अपनी नई भूमिका में पार्टी को और मजबूत करेंगी। कौशिक ने कहा कि रेखा राघव जुझारू और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने लंबे समय से पार्टी के लिए काम किया है। उनकी नियुक्ति से भिवानी जिले में पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी, खासकर महिला कार्यकर्ताओं के बीच। समारोह में जिला महामंत्री रेखा राघव ने अपने संबोधन में सभी का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भिवानी नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप, ठाकुर विक्रम सिंह, मीना परमार, मनोज तंवर, जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, जिला उपाध्यक्ष विशालजीत सिंह, कमांडो बीर सिंह नेताजी, कृष्ण नंबरदार, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा, सूर्य प्रताप, कप्तान सुरेश, जयपाल सिंह राघव, विरेंद्र सिंह परमार, ठाकुर रणधीर सिंह डावर, जगत सिंह सरपंच, उजय सिंह तंवर, नरेश पूर्व सरपंच पालुवास, रणवीर फौजी सरपंच, पवन सरपंच, मोनी, राम सिंह हालुवास, दीपा तंवर, विनोद सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सेंट्रल पार्क में शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा

भिवानी। भारत माता सेवा मंडल द्वारा एम सी कॉलोनी स्थित सेंट्रल पार्क में रविवार को श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ की गई। इसकी जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक मंडल अध्यक्ष अधिवक्ता पदम सिंह चौहान ने अर्जुन विषाद योग, सांख्य योग,कर्म योग पर बोलते हुए बताया कि जब अर्जुन अपने सगे संबंधियों ,गुरुजनों को देखकर विषाद मोह और शोक में हो गया और अपना गांडीव धनुष रख दिया तब प्रभु श्री कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए कहा कि आत्मा अमर है यह शरीर नश्वर है इसलिए भौतिक वस्तुओं से मोह करना गलत है। कर्म करना अनिवार्य है। मनुष्य को बिना आसक्ति के अपना कर्तव्य करते रहना चाहिए। श्रीमद्भागवत कथा सुनने से मनुष्य का आध्यात्मिक विकासऔर मानसिक शांति मिलती है। भक्तों को श्रीमद्भागवत गीता भेंट की गई ।

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि शिविर का आयोजन

दिल्ली कैंट आर्मी की रक्त वाहिनी टीम ने 204 यूनिट ब्लड किया एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते अतिथि।

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते अतिथि।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझूकलां-कादमा शाखा के समाज सेवा प्रभाग के तत्वावधान में राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 18वीं पुण्य तिथि विश्व बंधुत्व दिवस पर झोझूकलां के सांगवान अस्पताल में भारतीय सेना के लिए विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें दिल्ली कैंट से आर्मी की रक्त वाहिनी टीम ने 204 यूनिट ब्लड एकत्रित कर विश्व बंधुत्व की भावना को मजबूत किया।

शिविर का शुभारंभ मेजर डॉ. योगेंद्र देशवाल आईएमए प्रधान, डॉ. आशीष मान डिप्टी सीएमओ चरखी दादरी, सुरजभान सांगवान खाप 13 प्रधान, ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन, डॉ. संजीव मड़िया प्रधान डॉक्टर सेल हरियाणा, डॉ. मेजर नरेंद्र सिंह, सोमबीर शर्मा पूर्व गौरव सैनिक सोसाइटी प्रधान व उनकी टम, डॉ. विनय सांगवान, डॉ. राहुल आदि ने रिबन काटकर व दादी प्रकाशमणि के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया।

मेजर डॉ. देशवाल व आईएमए प्रधान ने कहा कि रक्तदान युवाओं में देशभक्ति व बंधुत्व की भावना पैदा करता है। उन्होंने रक्तदाताओं और सेना अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। बतौर विशिष्ट अतिथि विधायक उमेद पातुवास के प्रतिनिधि नरेश कुमार ने रक्तदान करते हुए कहा कि रक्तदान युवा शक्ति को सही दिशा प्रदान करता है। रक्तदान वास्तव में सबसे बड़ा व महा पुण्य का कार्य है। डॉ. आशिष मान डिप्टी सीएमओ ने ब्रह्माकुमारीज व अन्य सामाजिक संगठनों को इस पुण्य कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है, क्योंकि रक्त फैक्ट्री में नहीं बनता केवल दान किया जा सकता है। झोझूकलां-कादमा प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने दादी प्रकाशमणि को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि विश्व बंधुत्व दिवस पर महारक्तदान अभियान के अंतर्गत पूरे भारत व नेपाल में डेढ़ लाख से भी ज्यादा रक्त एकत्रित कर संस्था वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएगी। ब्रह्माकुमारी वसुधा व ज्योति, नीलम बहन ने दिल्ली छावनी से सेना रक्त संग्रह टीम व सेना को ईश्वरीय सौगात प्रदान की। झोझू कलां प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने रक्तदाताओं को आशीर्वाद दिया। सांगवान अस्पताल के निदेशक डॉ. विनय सांगवान व राही एसोसिएशन के अध्यक्ष रिंकू ने कहा कि रक्तदान शिविर में 204 रक्तदाताओं ने भारतीय सेना के लिए रक्तदान किया।

इस मौके पर झोझूकलां व्यापार मंडल प्रधान नरेश ठेकेदार, लीलाराम तिवाला, ब्रह्माकुमार मास्टर सुनील, सांगवान खाप तेरह के प्रधान सूरजभान, सुरेंद्र कुब्जानगर, सोम एडवोकेट, झोझूकलां व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश ठेकेदार आदि मौजूद रहे।

सिद्धिधाम में मनाया प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि का स्मृति दिवस

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि का 18वां स्मृति दिवस पर पूरे विश्व में जीवन दान विश्व बंधुत्व का अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के तहत शाखा सिद्धिधाम में राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन व राजयोगिनी बीके कीर्ति बहन की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान शिविर में विधायक घनश्यामदास सर्राफ, म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने मुख्य रूप शिरकत की तथा रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका हौसला बढ़ाया। रक्तदान शिविर में चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक चिकित्सकों की टीम ने रक्त एकत्रित किया। शिविर में लगभग 71 युनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर में रविंद्र चौधरी ने 56वीं बार रक्तदान किया, साहिल ने 21 बार, मनजीत पाहसोरिया ने 20 बार, बीके भीम सिंह चौहान ने 16 बार, बीके संतोष ने 12 बार रक्तदान कर युवाओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक रक्तदान कर लोगों को जीवन दान देने का कार्य करें। शिविर में उपस्थित अतिथिगणों ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवनदान बन सकता है। इस अवसर पर रामशरण, जितेन्द्र, सचिन गोयल, अमित वैद्य, शुभम, पवन, विनोद, हिमांशु, रजत, भूषण, रविन्द्र, मीडिया कॉर्डिनेटर बीके धर्मवीर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति व ब्रह्मावत्स उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने बेटी मनीषा के शोक संतप्त परिवार को बंधाया ढाढ़स

लोहारू। ढाणी लक्ष्मण में बेटी मनीषा के आवास पर शोक प्रकट करते हुए पूर्व मंत्री जेपी दलाल और पूर्व विधायक चौ सोमवीर सिंह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

बहुचर्चित मनीषा प्रकरण मामले में एक कॉलेज और उसके साथ पूर्व मंत्री के किसी रिश्तेदार का नाम उछाले जाने के बाद रविवार को पूर्व मंत्री जेपी दलाल कैमरे के सामने आए और खुलकर बोलते हुए कहा कि मेरा सिंघानी ही नहीं बल्कि हरियाणा की किसी स्कूल या कॉलेज के साथ ताल्लुक नही है। मुख्यमंत्री तक को अधिकार है कि वे इसकी जांच करा सकते हैं कि मेरा किसी कॉलेज या स्कूल से नाता है या नहीं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल रविवार को गांव ढाणी लक्ष्मण में बेटी मनीषा के आवास पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है तथा पीड़ितों को हर हाल में न्याय दिलाया जाएगा। पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि बेटी मनीषा के शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने उनके घर पहुंचे थे और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि इस प्रकार की इस संकट की घड़ी में शक्ति दे। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री का संदेश भी परिजनों को दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरी तरह से गंभीर है और परिवार की इच्छा के अनुसार यह मामला सीबीआई को दिया गया। वो गहराई से मामले की जांच में लगे हुए हैं। पूर्व मंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह मामला राजनीति करने का नही है, एक बेटी की जान गई है तथा अपराधियों को पकडक़र उन्हें सजा दिलाने का मामला है। उन्होंने सभी लोगों से इस मामले में कोई राजनीति नही करने की प्रार्थना की।

पूर्व विधायक चौ सोमवीर सिंह ने परिवार को दी सांत्वना: पूर्व विधायक चौ सोमवीर सिंह ने भी रविवार को ढाणी लक्ष्मण में बेटी मनीषा के आवास पहुंचकर उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। चौ सोमवीर डूकसह ने कहा कि इस मामले में पुलिस प्रशासन की काफी ढिलाई रही। पुलिस प्रशासन और सरकार को जिम्मेदारी निभाते हुए मामले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर दिया है।

चौ. देवीलाल जयंती पर उमड़ेगा जनसैलाब

■ भिवानी से हजारों की संख्या में लोग ढोल नगाड़ों के साथ रोहतक पहुंचेंगे : ढाणी माहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौ. देवीलाल जयंती पर 25 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम को लेकर संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौ. देवीलाल जयंती पर 25 सितंबर को रोहतक नई अनाज मंडी में आयोजित होने वाली रैली को लेकर इनेलो महिला विंग प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने हल्का बवानीखेड़ा के गांव दुर्जनपुर, कुंगड़, मुंढाल, तालु, धनाना, खरक, कलिंगा, बड़ेसरा व मित्ताथल आदि गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को रोहतक रैली में तथा 30 अगस्त को हल्का बवानीखेड़ा में इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला व इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा द्वारा ली जाने वाली बैठक को लेकर ग्रामीणों को निमंत्रण दिया। इस दौरान उनके साथ महिला विंग प्रदेशाध्यक्ष तनुजा कश्यप भी विशेष रूप से उपस्थित रही। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौ. देवीलाल जयंती पर 25 सितंबर को रोहतक में आयोजित होने वाली रैली को लेकर प्रदेश के जनता में भारी उत्साह है। इस रैली में लाखों की संख्या जनसैलाब उमड़ेगा जोकि प्रदेश की राजनीति में भारी बदलाव लाने का काम करेगा।

समारोह 25 सितंबर को रोहतक में होगा

बहल। पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. देवीलाल की 112 वीं जयंती एवं सम्मान दिवस समारोह 25 सितंबर को रोहतक में मनाया जाएगा। सम्मान दिवस के लिए न्यौता देने के लिए 30 अगस्त को बहल में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक अभय सिंह चौटाला बहल आएंगे। वे इस दिन कार्यकर्ताओं को सम्मान दिवस समारोह में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागेदारी के लिए निमंत्रण देंगे। यह जानकारी पूर्व विधायक धर्मपाल ओबरा, पूर्व विधायक ओमप्रकाश बड़वा ने रविवार को पत्रकारों को दी। इनेलो नेताओं ने कहा कि पूरे प्रदेश में इनेलो का जनाधार बढ़ता जा रहा है।

बीके स्कूल में राष्ट्रीय स्वंय सेवकों ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

स्कूल परिसर में पौधारोपित करते स्काऊट एंड गाइड।

बवानी खेड़ा के बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय स्वयं सेवको एवं स्काउट्स एंड गाइड के द्वारा पौधरोपण का कार्यक्रम किया गया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रभारी अमित कुमार, स्काउट मास्टर सतेंद्र गिल एवं गाइड कैप्टन मीनाक्षी जांगड़ा के नेतृत्व में सभी विद्यार्थियों ने सबसे पहले विद्यालय प्रांगण और फिर पुलिस थाने में पौधारोपण किया। स्वयंसेवकों का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण एवं अपने आसपास जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक जिला कोऑर्डिनेटर आनंद शर्मा, स्काउट डी.ओ. सी. पवन कुमार, गाइड कोऑर्डिनेटर रितु परमार, एस.एच.ओ. ओम प्रकाश, देवेंद्र, चेयरमैन सुंदर अत्री आदि ने विद्यालय में शिरकत की । स्काउट डी ओ सी पवन कुमार ने सभी स्काउट एंड गाइड्स को प्रेरित करते हुए कहा कि हम जो भी पेड़ पौधे लगाए उसका अपनी संतान की भांति पालन पोषण करें। प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने विद्यालय में पधारे सभी अतिथिगणों का स्वागत-सत्कार करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान प्रसिद्ध समाजसेवी सुभाष शर्मा, सचिव योगेश शर्मा, उपाध्यक्ष जोगेन्द्र जांगड़ा, सुरेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

टीआईटी भिवानी में 'फ्रेशर्स डे' आयोजित

भिवानी। टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल्स एंड साइंसेज के विभिन्न विभागों—टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, फैशन एवं अपैरल इंजीनियरिंग, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल केमिस्ट्री तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग—ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए भव्य एवं रंगारंग 'फ्रेशर्स डे' का आयोजन किया। छात्रों ने भी गीत, संगीत, नृत्य और अभिनय के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित प्रतियोगिताओं में मिस फ्रेशर का खिताब भुमिका को तथा मिस्टर फ्रेशर का खिताब शिवम को मिला। मिस ईव बनीं मोक्षिका और मिस्टर ईव बने रुद्राक्ष।

बच्चों की उपलब्धि में उनकी मेहनत एवं अभिभावकों का सहयोग बनता सफलता की सीढ़ी: गुप्ता

मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

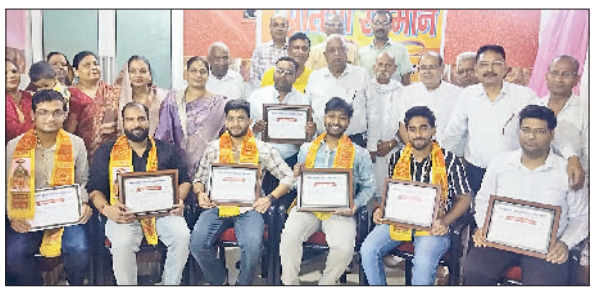

भिवानी। सीए परीक्षा में उत्कृष्ठ सफलता पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

अग्रसेन धर्मशाला नजदीक पुरानी अनाजमंडी में अग्रवाल वैश्य समाज जिला चरखी दादरी ईकाई द्वारा भाद्रपद अमावस्या व दादी राणी सती के प्रकट दिवस पर अग्रकुल शिरोमणि, पितामह भगवान अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर आरती वंदना की तथा प्रसाद वितरण किया।

कार्यक्रम का मार्गदर्शन अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता का रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष सुरेश ऐरण व अग्रवाल वैश्य समाज के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष गणेश गोयल ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ नगर व्यापार मंडल प्रधान सुरेश पांडवानिया, अग्रसेन सेवा सदन प्रधान रेखराज देवसरिया ने भगवान अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। सीए की परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं ने ज्योत प्रज्वलित करके अग्रकुल शिरोमणि, पितामह भगवान अग्रसेन व दादी राणी सती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए व आशीर्वाद लिया। मंच संचालन अग्रवाल वैश्य समाज के प्रेस सचिव विनोद गर्ग ने किया तथा उन्होंने दादी राणी सती के प्रकट दिवस के बारे में बताया। अमावस्या पर जुलाई 2025 में आयोजित सीए परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालो में शीनू मित्तल, अनुज गोयल, राहुल गर्ग, अर्पित गोयल, रजत गर्ग, पियुष गर्ग, सौरभ बंसल, रितिक गर्ग व कनिष्क मित्तल व अभिभावकों को मोती माला, पटका पहनाकर सम्मानित किया तथा छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भेंट किए।

गुप्ता ने कहा कि बच्चों की सफलता में इनकी मेहनत के साथ साथ अभिभावकों का भी अहम योगदान होता है, इसलिए अभिभावक भी सम्मान व बधाई के पात्र हैं। माल्यार्पण व प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में मुख्य रूप से अग्रवाल वैश्य समाज संरक्षक रेखराज देवसरिया, सुरेश पांडवानिया, सुरेश ऐरन, मोतीलाल गोयल, महासचिव विनोद जैन, गणेश गोयल, प्रदेश सचिव संजय गर्ग, नरेश सांपला, जगदीश ऐरण, निरंजन लाल, प्रदेश युवा सचिव शुभम गोयल, ललित गर्ग, संदीप गोयल, रामा सेवा दल प्रधान विनोद गोयल, पवन लुहानीवाला, श्रवण गुप्ता, अनूज पांडवानिया, सोनू गर्ग, राजेश मित्तल, मुकेश बंसल, दिनेश, दीपिका मित्तल, महिला प्रदेश संगठन सचिव संतोष जैन व सचिव निशा गोयल, रामदुलारी गर्ग, सावित्री गर्ग, मंजु बधवानिया, मीनाक्षी मित्तल, सुनीता जैन, सरोज, सुनिता आदमपुरिया, मोनिका बंसल उपस्थित रहे।

31 को चौटाला देंगे चौधरी देवीलाल जयंती का न्योता

चरखी दादरी। पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल की जयंती को रोहतक नई अनाजमंडी में सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाएगा, ये जानकारी इंडियन नेशनल लोकदल जिला अध्यक्ष सुबेसिंह अटेला ने दी। उन्होंने बताया कि उप प्रधानमंत्री देवीलाल की जयंती आगामी 25 सितंबर को रोहतक की नई अनाज मंडी में मनाई जाएगी। जिलाध्यक्ष ने बताया कि रोहतक के कार्यक्रम को पूरी तरह से सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अभयसिंह चौटाला व प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा द्वारा पूरे हरियाणा में हल्का स्तर पर पहुंचकर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश व निमंत्रण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में 31 अगस्त को बाढ़डा के लोहरू रोड स्थित जांगड़ा धर्मशाला में दोपहर दो बजे तथा दादरी में पार्टी जिला कार्यालय पर चार बजे पहुंच कर सबको निमंत्रण देंगे व अधिक से अधिक सहभागिता के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी देंगे।

खबर संक्षेप

महम गेट पर एंटी रेबीज वैक्सीनेशन कैंप लगाया

भिवानी। महम गेट क्षेत्र में स्थित एंजेल डॉग क्लीनिक पर रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन के सहयोग से एंटी रेबीज वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया। क्लीनिक संचालक डॉ पारुल वर्मा ने बताया कि रविवार को सुबह 9 बजे से 1 बजे तक रोटरी क्लब के सहयोग से एंटी रेबीज कैंप लगाया। क्लीनिक के संचालक डॉक्टर ने बताया कि प्रतिवर्ष साल में दो कैंप लगाए जाते हैं जिनमें लोग अपने पेट डॉग्स भी लाते हैं और स्ट्रीट डॉग्स भी लेकर के आते हैं कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह के कुत्तों को लाते हैं तो उन्हें एंटी रेबीज का इंजेक्शन दिया जाता है ताकि लोगों को यदि काट भी ले तो उन्हें रेबीज ना हो।

राजबाला बनीं कार्यकारी महिला जिलाध्यक्षा

चरखी दादरी। अखिल भारतीय जांगिड़ महासभा जिला चरखी दादरी की त्रिमासिक बैठक काठमंडी स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला में हुई, जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान पूर्व सब इंस्पेक्टर प्रेमसिंह जांगड़ा ने की। बैठक में प्रमुख रूप से आगामी दिनों होने वाले राज्य स्तरीय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह को चर्चा हुई। बैठक के दौरान महिला कार्यकारिणी के सुचारू संचालन के लिए बतौर कार्यकारी महिला जिलाध्यक्षा राजबाला चरखी को जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इसके अलावा अन्य सामाजिक विषयों को लेकर भी मंत्रणा की।

भाजपाइयों ने देशभक्त राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। क्रन्तिकारी देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी राजगुरू आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत एवं शक्ति बने हुए हैं, जिन्होंने भारत को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन अमर बलिदानियों में से एक क्रांतिवीर राजगुरु की आज जयंती है, जिन्हें पूरा देश श्रद्धांजलि दे रहा हैं। शहीद शिवराम हरि राजगुरु की जयंती पर भाजपाइयों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। रीतिक वधवा ने कहा कि शहीद राजगुरू ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उनके साहस एवं बलिदान ने अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष को जनआंदोलन में परिवर्तित कर दिया, वो हमेशा युवाओं के लिए प्रेरणाशक्ति बने रहेंगे। इस अवसर पर एडवोकेट संदीप यादव, अशोक तिगड़ी व भूपेंद्र तिगड़ी ने राजगुरु को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

हल्की फुव्वारों ने खरीफ की फसलों को नहलाया

भादो में श्रावण जैसी झड़ी गर्मी व उमस की टूटी कड़ी

पिछले कई दिनों से बारिश न होने की वजह से उमस व गर्मी से लोग थे बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। हलकी बूंदाबांदी के बीच गंतव्य की ओर जाते वाहन चालक। *फोटो: हरिभूमि*

करीब डेढ सप्ताह से बादलों की आंख मिचौली व शुष्क मौसम रहने के बाद रविवार को भी आसमान से पानी बरसता रहा। हालांकि तेज बारिश नहीं हुई,लेकिन हलकी बारिश ने भादप्रद (भादुवा) में श्रावण माह का अहसास करवा दिया। पूरे दिन हलकी बूंदाबांदी की वजह से गर्मी व उमस की जो कड़ी बनी हुई थी। आज पूरी तरह से टूट गई। उसके बाद मौसम सुहावना हो गया। बल्कि धीमी गति से हवा चलने की वजह से मौसम में ठंडक घुलने लगी। सुबह से आसमान में बादलों का आवागमन जारी था। दोपहर तक इसी तरह का मौसम बना रहा। दोपहर बाद काली घटाएं छाने लगी। उसके बाद हलकी बारिश शुरू हो गई। कभी तेज तो कभी धीमी गति से आसमान से पानी बरसा। ज्यादातर समय तो हलकी फुव्वारों ने खरीफ फसलों को नहलाया। इस दौरान धीमी गति से हवा चली। जिस वजह से पारा भी नीचे की तरफ रूख कर गया। जिस वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

वहीं उमस से पूरी तरह से छुटकारा मिल गया। चूंकि पिछले कई दिनों से बारिश न होने की वजह से उमस व गर्मी से लोग बेहाल थे। आज हलकी बूंदाबांदी से पारा 32 डिग्री सेल्सियस से लूढक कर 30 पर आ गया। दूसरी तरह हलकी बूंदाबादी से खरीफ की फसलों में फायदा होगा। क्योंकि कपास की फसलों में फूल व फल बन रहा है और अब उनमें सिचांई की भी जरूरत थी। आज हुई हलकी बारिश से कपास की फसल में फायदा होगा।

मौसम हुआ खुशनुमा, घुलने लगी ठंडक

कई दिनों मौसम शुष्क बना हुआ था। जिस वजह से पारा भी लगातर कभी नीचे तो कभी उपर चढने का प्रयास करता नजर आया। गर्मी के साथ उमस ने लोगों को बेहाल किया,लेकिन आज सुबह से हो रही हलकी बारिश ने लोगों को गर्मी व उमस से राहत दिला दी। मौसम पुरी तरह से खुशनुमा हो गया। धीमी गति से चल रही हवा की वजह से मौसम में ठंडक भी घुलने लगी। ठंडक होने की वजह से लोग बूंदाबांदी में निकलने से कतराने भी लगे। पूरा दिन बादलों के आवागमन में ही बीता। देर शाम तक हलकी बूंदाबांदी का दौर जारी था। दूसरी तरफ जिन इलाकों में अभी तक बारिश का पानी जमा है। इन इलाकों में हलकी बूंदाबांदी का फायदा होने की बजाए नुकसान है,लेकिन जहां पर सिंचाई के लिए पानी कम है और खुश्क इलाका है। वहां पर हलकी बूंदाबांदी से भी फायदा होगा। क्योंकि उन इलाकों में खरीफ की फसलों के लिए भूमि में नमी बढ जाएगी। अगर फसलों को पर्याप्त नमी मिलेगी तो उस इलाके की फसलों में ज्यादा फल व फूल आएंगे और उसकी औसतन पैदावार में अच्छी खासी बढौतरी होगी।

दादी सती रानी की पूजा कर मांगी सुख समृद्धि की कामना

चरखी दादरी। जिले के गांव सांवड़ में सिंगला गोत्रों द्वारा आयोजित दादी सती रानी का वार्षिक मेला एवं भण्डारा शनिवार को बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

अमावस्या पर हर साल की तरह इस वर्ष भी गांव सांजरवास-बौंद के मध्य स्थित दादी सती रानी मंदिर प्रांगण में आयोजित मेले में दूर-दराज से सेठ समाज के लोग व क्षेत्रभर के श्रद्धालु पहुंचकर दादी के चरणों में माथा टेकते रहे। दिनभर लगातार बरसात होती रही, इसके बावजूद भक्तजनों का उत्साह कम नहीं हुआ। मेले में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और भक्तगण भीगते हुए भी मंदिर प्रांगण में आते रहे।

मार्केट न्यूज

एमके हॉस्पिटल द्वारा बामला गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

एमके अस्पताल ने बामला गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें 585 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। यह पहल ग्रामीण समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिविर में सामान्य चिकित्सा, बीपी, शुगर, खून की जांच,ईसीजी, मैमोग्राफी और अन्य आवश्यक निःशुल्क जांचें की गईं। सभी जांचों के साथ-साथ आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क वितरित की गईं। एमके अस्पताल के 30 अनुभवी चिकित्सकों जैसे सामान्य चिकित्सा विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ, सामान्य लेप्रोस्कोपी और गैस्ट्रो सर्जरी विशेषज्ञ, न्यूरो सर्जरी विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, कान नाक गला रोग विशेषज्ञ, महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, यूरो सर्जरी विशेषज्ञ, जनरल सर्जरी विशेषज्ञ, आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ, क्रिटिकल केयर मेडिसिन विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ, मेडिकल ऑफिसर और नर्सिंग स्टाफ ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। एमके हॉस्पिटल टीम ने बताया कि हमारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना है।

भाजपाइयों ने किसानों की दी श्रद्धांजलि

- सुनील इंजीनियर ने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के कार्यक्रमों से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़डा

भिवानी। कादमा में श्रद्धांजलि सभा में किसानों को नमन करते भाजपाई। फोटो: हरिभूमि

बाढ़डा विधानसभा के सभी मंडलों की कार्यकारिणी की बैठक में वक्ता के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील इंजीनियर, जिला महामंत्री राष्ट्रदीप परमार, सरपंच मंडल प्रभारी जगदीश, जिला महामंत्री व मंडल प्रभारी चिड़िया,बलवान सिंह आर्य मंडल प्रभारी कादमा मुख्य रूप से शामिल थे। सुनील इंजीनियर ने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के कार्यक्रमों से अवगत करवाया और सभी को पार्टी संगठन मे मजबूती से काम करने के निर्देश दिए। बैठकों में मुख्य पार्टी के विषय-संगठन की संरचना, सेवा पखवाड़ा, पार्टी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियां रही। कादमा में किसानों की श्रद्धांजलि सभा में जिला अध्यक्ष सुनील इंजीनियर ने कहा कि किसानों की मांगों को सरकार तक पहुंचने का काम करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसानों की मूर्तियों पर पुष्प अर्पित किए। बाढ़डा मंडल की अध्यक्षता शमशेर सिंह, कादमा मंडल की अध्यक्षता सुनीता स्वामी, झोझू मंडल की अध्यक्षता हरीश शर्मा तथा चिड़िया मंडल की अध्यक्षता सज्जन जांगड़ा ने की।

प्रशिक्षण बहुत ही लाभदायक

- आदर्श विद्यालय में दो दिवसीय कक्षा प्रबंधन प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तोशाम में दो दिवसीय 'कक्षा प्रबंधन' प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के रिसॉर्स पर्सन अनिल कुमार अरोड़ा, प्रवक्ता भौतिकी ने विद्यालय में कार्यरत सभी स्टाफ सदस्यों को कक्षा में विद्यार्थियों को नयी शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा देने और उनमें कौशल के विकास पर अधिक ध्यान देने के साथ-साथ स्वयं के कौशल को भी विकसित करने पर बल दिया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी स्टाफ सदस्यों ने अनिल कुमार अरोड़ा को उनके द्वारा दिए गए निर्देशों और परामर्श के अनुसार कक्षा में कार्य करने का आश्वासन दिया। सभी स्टाफ सदस्यों का मानना था कि यह प्रशिक्षण बहुत ही लाभदायी है।

विद्यालय के चेयरमैन जगदीश चंद्र मालवाल ने रिसॉर्स पर्सन अनिल अरोड़ा का आभार व्यक्त किया और स्टाफ सदस्यों को कहा कि हमें नयी शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए ही काम करना चाहिए। प्राचार्य भारत भूषण ने भी सभी स्टाफ सदस्यों, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों और अनिल अरोड़ा का धन्यवाद करते हुए कहा कि राष्ट्र को कुशल अधिकारी, निष्ठावान राजनेता और प्रत्येक कार्य को सहजता से सम्पन्न करने वाले प्रबुद्ध नागरिक शिक्षकों द्वारा ही तैयार किए जाते हैं।

110 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

- प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य स्वर्णकार सेवा परिषद द्वारा सम्मान समारोह आयोजित
- उच्च न्यायालय से अधिवक्ता नितिन वर्मा ने किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

समाज की प्रतिभाओं को मंच के माध्यम से प्रोत्साहित करने व आगे बढने के लिए प्रेरित करने के उद्देयय से स्वर्णकार सेवा परिषद द्वारा रविवार को हनुमान ढ़ाणी चौक स्थित एक अनुराग बैंक्वेट हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह के दौरान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से अधिवक्ता नितिन वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि स्वर्णकार सेवा परिषद दादरी से प्रधान रामोतार सोनी लांबा ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्ष संस्था के प्रधान हरिचरण वर्मा ने तथा मंच का संचालन अजय, विनोद व श्रेया ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में समाज की अन्य तीन संस्थाओं का भी विशेष योगदान रहा। इस दौरान समारोह स्थल पर भीड़ से खचाखच भरा रहा।

15 समाजसेवियों का भी सम्मानित किया

इस मौके पर स्वर्णकार सेवा परिषद के महासचिव अधिवक्ता कुलदीप सोनी ने बताया कि समारोह के दौरान 10वीं व 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 85 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं स्नातक व स्नातकोत्तर में 65 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 25 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले 15 समाजसेवियों का भी विशेष तौर पर सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर मेहनत करनी चाहिए, ताकि सफलता को हासिल किया जा सकें। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

किसानों ने रक्तदान कर आंदोलन में शहीद हुए किसानों को किया नमन

भिवानी। किसान शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित रक्तदान शिविर में शहीद परिवार से भूपसिंह धनासरी ने अपने पुत्र अनिल के साथ रक्तदान किया। कल 23 अगस्त शनिवार को शहीद स्मारक स्थल कादमा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तवीर परिवार संयोजक राजेश सोनी ने बताया कि रक्तदान शिविर कादमा किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों की याद में 31वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में लगाया। कार्यक्रम की शुरुआत में शहीद स्मारक स्थल पर शहीदों की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में अशोक थालौर कादमा, जिला पार्षद ने शिरकत की। शिविर की अध्यक्षता भूपसिंह धनासरी, सत्यवीर दगाड़ौली, ओमवीर झोझूकलां, कृष्ण कुमार ऊण, सोमबीर कादमा ने की। कार्यक्रम में 115 लोगों ने अपना पंजीकरण करवाया इसमें से 91 लोगों के द्वारा रक्तदान किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 9253681005, 8295157800

हमारी एकाग्रता बढ़ाते हैं खेल: एसडीएम

- हर खेल टीम वर्क, समय प्रबंधन, नेतृत्व एवं सफलता की सीख देता: दलाल

चरखी दादरी। अतिथियों के साथ खिलाड़ी। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

जब हम खेल खेलते हैं, तो हम लक्ष्य निर्धारित करना, अपनी सीमाओं को पार करना और चुनौतियों का डटकर सामना करना सीखते हैं। ये गुण न केवल मैदान पर, बल्कि हमारे वास्तविक जीवन में भी महत्वपूर्ण हैं। खेल हमें अनुशासन भी सिखाते हैं और हमारी एकाग्रता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, जो पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में बहुत उपयोगी है, ये बात एसडीएम लोहारू मनोज दलाल ने गांव कारी धारणी में खंड स्तर पर खो खो खेल की तैयारी करने के लिए आए हुए राजकीय स्कूलों में पढ रहे बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए कही। रामचंद्र पीटीआई की देखरेख में खिलाड़ी खेल के हुनर को तराश रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में, जहाँ कई बच्चे घंटों फ़ोन या वीडियो गेम खेलते रहते हैं, बाहर खेलना और भी ज़रूरी हो जाता है। खेल हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से सतर्क रहने में मदद करते हैं। खंड समन्यवक सुंदरपाल फौगाट ने कहा कि खेल हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल मौज-मस्ती और मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि स्वस्थ शरीर और मजबूत दिमाग के निर्माण का एक सशक्त माध्यम भी हैं। हर खेल हमें टीम वर्क, समय प्रबंधन, नेतृत्व और सफलता-असफलता से निपटने जैसे अनमोल जीवन के सबक सिखाता है।

जीवन का हिस्सा बनाएं

बीडीसी चेरयमैन आनंद फौजी ने कहा कि खेल सिर्फ़ एक शौक या विषय नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। हर बच्चे को नियमित रूप से कम से कम एक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। खेलों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएँ और मजबूत, होशियार और आत्मविश्वासी बनें।इस दौरान सरपंच जगदीश, पूर्व सरपंच रणधीर, संदीप, राजेश, हनुमान, देशराज, प्रवक्ता नरेश कुमार, डॉ. मनोज, अनिल सिंधू, सोमबीर, बबीता, बंटी कुमारी, सुमित्रा, बबीता, उमेश, पीटीआई रामचंद्र आदि थे।

खेलों से होता है बच्चों का सर्वांगीण विकास: एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़डा

खेल हमें अनुशासन भी सिखाते हैं और हमारी एकाग्रता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, जो पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में बहुत उपयोगी है। यह बात एसडीएम लोहारू मनोज दलाल ने गांव कारी धारणी में खंड स्तर पर खो खो खेल की तैयारी करने के लिए आए हुए राजकीय स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए कही। रामचंद्र पीटीआई की देखरेख में खिलाड़ी खेल के हुनर को तराश रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में, जहाँ कई बच्चे घंटों फोन या वीडियो गेम खेलते रहते हैं, बाहर खेलना और भी जरूरी हो जाता है। खंड समन्यवक सुंदरपाल फौगाट ने कहा कि खेल हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बीडीसी चेरयमैन आनंद फौजी ने कहा कि खेल सिर्फ एक शौक या विषय नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। हर बच्चे को नियमित रूप से कम से कम एक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। खेलों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएँ और मजबूत, होशियार और आत्मविश्वासी बनें। इस दौरान सरपंच जगदीश, पूर्व सरपंच रणधीर, संदीप, राजेश, हनुमान, देशराज, प्रवक्ता नरेश कुमार, डॉ मनोज कुमार, अनिल कुमार सिंधू, सोमबीर, बबीता, बंटी कुमारी, सुमित्रा आदि मौजूद रहे।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

विधायक ने 15 लाख की लागत से हॉल का किया शिलान्यास

भाईचारे और एकता को बढ़ाते हैं सांस्कृतिक भवन: सरफि

- शिक्षा, सामाजिक सुधार व सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देना है महात्मा ज्योतिबा फुले धर्मशाला का उद्देश्य: सैनी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। ढाणी नौरंगाबाद में धर्मशाला के शिलान्यास पर लोगों को संबोधित करते विधायक सर्राफ। *फोटो: हरिभूमि*

पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ ने रविवार को गांव ढाणी नौरंगाबाद में महात्मा ज्योतिबा फुले धर्मशाला में एक हॉल कमरे की आधारशिला रखी। यह हॉल समाज के लिए एक महत्वपूर्ण सामुदायिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता सैनी कल्याण परिषद भिवानी के पूर्व प्रधान सत्यनारायण सैनी ने की। इस दौरान विधायक घनश्याम सर्राफ ने हवन में भाग लिया और नारियल फोडक़र तथा ईंट रखकर भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर सैनी कल्याण परिषद भिवानी के पूर्व प्रधान सत्यनारायण सैनी ने कहा कि यह नया भवन महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों पर आधारित होगा और इसका उद्देश्य शिक्षा, सामाजिक सुधार और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देना है। सैनी ने कहा कि 15 लाख रूपये की लागत से एक हॉल कमरे की नींव रखी है। यही नहीं तीन गलियों के निर्माण की घोषणा भी विधायक द्वारा की गई है। इसके अलावा विधायक ने गांव के अन्य विकास कार्यो को करवाए जाने का भी आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि विधायक ने आश्वासन दिया है कि महात्मा ज्योतिबा फुले भवन के पूर्ण निर्माण में हर संभव सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले भवन का शिलान्यास केवल नींव रखने का कार्य नहीं है।

फुले ने जातिगत भेदभाव को मिटाया

इस मौके पर विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि गांव ढाणी नौरंगाबाद में महात्मा ज्योतिबा फुले भवन के हॉल कमरे का शिलान्यास करने यहां पहुंचे है। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की जरूरत अनुसार तीन गलियों के निर्माण की बात भी कही है, जिनमें पाइप लाइन डालने का कार्य भी किया जाएगा। विधायक ने कहा कि इस तरह के सामुदायिक भवन समाज के लिए बेहद लाभदायक साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि ये भवन ना केवल सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनते हैं, बल्कि आपसी भाईचारा और एकता को भी बढ़ावा देते हैं। विधायक ने कहा कि किसी भी भवन का नाम किसी महान व्यक्ति के नाम पर रखने का उद्देश्य उनके योगदान को स्मरण और सम्मान देना है। महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे समाज सुधारक ने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और जातिगत भेदभाव को मिटाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।